सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक : कु०स० 1916 /2025 दिनाङ्क : 14.06.2025

कार्यालय-ज्ञाप

मा० कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी के पत्रांक ई-3070/32-जी०एस०/2025 दिनांक 15 मई, 2025 द्वारा समस्त राज्य विश्वविद्यालय को दिनांक 21 जून, 2025 को योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कराने के निदेश प्रदान किये गये थे। उक्त के उपरान्त पुनः दिनांक 05.06.2025 को अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों को अधोलिखित रूप में योग के कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश प्रदान किये गये है -

1. दिनांक 21 जून, 2025 का कार्यक्रम निम्न क्रम के अनुसार सम्पादित होगा -
    1. माननीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन के लाइव स्ट्रीमिंग को देखने की समुचित व्यवस्था करना।
    2. योग के मानक प्रोटोकाल के अनुसार योगासन।
    3. एक साथ सूर्य नमस्कार करना।
2. कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वालों की संख्या की गणना एवं उपस्थिति पर्यवेक्षक के माध्यम से करना सुनिश्चित करें।
3. कार्यक्रम का जियोटैग फोटो एवं वीडियो क्लिप दिनांक 22 जून, 2025 तक अनिवार्य रूप से विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। (ई०मेल० ssvv.smv@gmail.com)
4. जहाँ तक सम्भव हो लोग एक गणवेश में हों।

उपरोक्त निर्देशों के साथ-साथ छात्रकल्याण कार्यालय द्वारा निर्गत पत्रांक छा०क०स० 1248/2025 दिनांक 04.06.2025 का अनुपालन भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाये।

इस पर कुलपति महोदय की स्वीकृति प्राप्त है।

14/6/2025

संलग्न - छात्रकल्याण कार्यालय का
पत्रांक छा०क०स० 1248/2025
दिनांक 04.06.2025

(राकेश कुमार)
आई०ए०एस०
कुलसचिव

प्रतिलिपिः- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. निजी सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
3. छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष।
4. सिस्टम एनालिस्ट को इस आशय से कि उक्त कार्यालय-ज्ञाप समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों को उनके लॉगिन आई०डी० के माध्यम से प्रेषित कराने के साथ-साथ विश्वविद्यालय वेब-साइट पर उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
5. सहायक कुलसचिव, प्रशासन।
6. समस्त प्रबन्धक/प्राचार्य, सम्बद्ध महाविद्यलयों को इस आशय से कि उपरोक्त निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करायें।
7. आशुलिपिक, कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
8. सम्बद्ध पत्रावली।

(राकेश कुमार)
आई०ए०एस०
कुलसचिव

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

आवश्यक सूचना

सेवा में,

प्राचार्य,
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी

महोदय,

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी, सचिवालय, उत्तर प्रदेश के पत्र संख्या 3070/32–जी. एस./2025 दिनांक 15 मई, 2025के आदेशानुसार अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित थीम ' Yoga for One Earth, One Health ' पर आयोज़ित होने वाले विभिन्न प्रस्तावित कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया जाता है कि संलग्न कार्यक्रमों की सूची के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करें। साथ ही इन कार्यक्रमों की फोटो एवं विडियों क्लिप बनाकर विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। दिनांक 21.06.2025 को अपने महाविद्यालय के अध्यापक, छात्र एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक योग का कार्यक्रम आयोजित कर इसकी फोटो एवं विडियो क्लिप संलग्न कर विश्वविद्यालय को अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

इस पर कुलपति महोदय जी की स्वीकृति प्राप्त है।

(प्रो0 शैलेश कुमार मिश्र)
नोडल अधिकारी
योग दिवस कार्यक्रम
सं0सं0वि0वि0,वाराणसी

छा0क0सं0 –1246/2025 दिनांक – 04.06.2025

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित –

1– कुलपति के सचिव, कुलपति महोदय को अवलोकनार्थ।
2– आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
3– विनयाधिकरी।
4– सिस्टम एनालिस्ट –संगणक केन्द्र को इस आशय प्रेषित की उक्त पत्र को विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर अपलोड करने एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के कालेज लागिन पर अपलोड करने का कष्ट करे।
5– जनसम्पर्क अधिकारी ।
6– सम्बद्ध पत्रावली।
7– सूचना पट्ट।

(प्रो0 शैलेश कुमार मिश्र)
नोडल अधिकारी
योग दिवस कार्यक्रम
सं0सं0वि0वि0,वाराणसी

ई–मेल द्वारा

राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ–226027

पत्रांकः ई– 3070 /32–जी.एस./2025
दिनांकः 15 मई, 2025

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलपति/निदेशक
समस्त राज्य विश्वविद्यालय/संस्थान,
उत्तर प्रदेश।

विषयः अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (दिनांक 21.06.2025) के सम्बन्ध में माननीय कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में दिनांक 05.05.2025 को सम्पन्न हुई बैठक में दिये गये निर्देशानुसार "Yoga for One Earth, One Health" निर्धारित थीम पर कार्य योजना तैयार करने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा विश्वविद्यालयों/संस्थानों में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने के लिए निम्नलिखित 10 प्रकार के कार्यक्रम करने हेतु सुझाव प्रदान किए गए हैं:–

1. 'विरासत से **विकासः योग की भूमिका**' –
इस विषय पर एक विचारोत्तेजक परिचर्चा का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें विषय विशेषज्ञ योग के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विकास में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालेंगे।

2. '**एक साथ योगः संकल्प और सामूहिकता का प्रतीक**'–
विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय परिसर में भव्य योग प्रदर्शन का आयोजन किया जाए, जिसमें एक ही दिन में कम से कम 51,000 प्रतिभागी एक साथ योगाभ्यास करें, जो एकता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनेगा ।

3. '**अंतर्राष्ट्रीय योग संगोष्ठीः ज्ञान और अनुभव का संगम**'–
एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया जाए, जिसमें देश–विदेश के योग विशेषज्ञ, शोधकर्ता और Practitioner अपने ज्ञान और अनुभवों का साझा करें।

4. '**योग वाटिका (पार्क)ः प्रकृति और शांति का आशियाना**' –
विश्वविद्यालय में एक मनमोहक योग पार्क विकसित किया जाए, जो प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हो और जहाँ विद्यार्थी एवं शिक्षक शांत वातावरण में योगाभ्यास कर सकें।

Scanned with OKEN Scanner

5. **'योग साहित्य: ज्ञान का अक्षय मंडार (योग पर पुस्तक प्रकाशन)'** – योग के विभिन्न पहलुओं पर उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों का प्रकाशन किया जाए, जो न केवल विश्वविद्यालय समुदाय बल्कि व्यापक समाज के लिए भी ज्ञान का स्रोत बनें।

6. **'चंदन वाटिका एवं तालाब: प्रकृति की गोद में विश्राम'** – विश्वविद्यालय में सुगंधित चंदन के वृक्षों से युक्त वाटिका और एक शांत तालाब विकसित किया जाए, जो एक आकर्षक पिकनिक स्थल के रूप में विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रकृति के करीब आने और योग अभ्यास करने तथा विश्राम करने का अवसर प्रदान करें।

7. **'योग मैराथन: स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम'** – समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़ने के लिए एक ऊर्जावान योग मैराथन का आयोजन किया जाए, जो स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना को बढ़ावा दे।

8. **'सामूहिक सूर्य नमस्कार: ऊर्जा और एकाग्रता का अनुभव'** – विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में एक साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में ऊर्जा का संचार हो और एकाग्रता में वृद्धि हो।

9. **'रोग निवारण में योग: वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष'**– विभिन्न रोगों पर योग के सकारात्मक प्रभावों पर वैज्ञानिक शोध और शोध पत्रों को प्रोत्साहित किया जाए और उनके निष्कर्षों को सार्वजनिक किया जाए।

10. **'प्रकृति का महत्व: एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी' (पेड़ की उपयोगिता पर प्रदर्शनी)** पेड़ों की उपयोगिता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाने वाली एक जानकारीपूर्ण प्रदर्शनी का आयोजन किया जाए, जिससे प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़े।

अतः उपर्युक्त के सम्बन्ध में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा दिये गये उक्त सुझावों के अनुसार दिनांक 01.06.2025 से सभी विश्वविद्यालय/संस्थान तथा संबंधित महाविद्यालयों में अपने तरीके से समय सारणी बनाकर अपने–अपने विश्वविद्यालय/संस्थान तथा सम्बन्धित सभी महाविद्यालयों में कार्यक्रम कराएं। उपर्युक्त समस्त दस कार्यक्रम सभी के लिए करना अनिवार्य है।

भवदीय,

(डॉ. पंकज एल. जानी)
कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1. विशेष सचिव श्री राज्यपाल, उ.प्र.।
2. परिसहाय (ए./पी.) श्री राज्यपाल, उ.प्र.।
3. अपर मुख्य सचिव के निजी सचिव को अपर मुख्य सचिव महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।

(हेमन्त कुमार चौधरी)
कुलाधिपति के उप सचिव।

Scanned with OKEN Scanner